लगभग 2000 फीट तक फैली यह पेंटिंग, विश्व में थंगका शैली (बौद्ध शैली) की सबसे लम्बी पेंटिंग है। चीन के टिबटन मैडिसन एण्ड कल्चरल म्यूज़ियम की दूसरी मंजिल की अंदरुनी दीवार पर विश्व की इस सबसे बड़ी थंगका शैली की पेंटिंग को लगाया गया है। चार सौ से ज्यादा कलाकारों ने 30 साल की कड़ी मेहनत के बाद यह मास्टर पीस तैयार किया है। थंगका, जिसे तंगखा भी कहते हैं, को आम तौर पर लपेट कर रखा जाता है लेकिन इस पेंटिंग को खोलकर रखा गया है ताकि सभी इसे देख सकें। धार्मिक किरदारों व घटनाओं को दर्शाने वाली यह पेंटिंग बौद्ध ज्ञान की अद्भूत टैपिस्ट्री (कपड़े पर बना चित्र) है। इस थंगका में तिब्बत, तिब्बती बौद्ध धर्म, प्रसिद्ध बौद्ध भिक्षुओं, मंदिरों व धार्मिक घटनाओं का चित्रण किया गया है। इसमें विश्व की रचना, खगोल शास्त्र, तकनीक विज्ञान, चिकित्सा शिल्प, भाषा व कविताओं को भी दर्शाया गया है तथा समुद्र के सूक्ष्म जीवों से मानव के उद्विकास के दृश्य भी हैं। पेंटिंग में एक लामा को अमेरिका जाते हुए दिखाया गया है और साथ ही अमेरिकी झण्डा व एक वायुयान भी प्रदर्शित है। गौर करने वाली बात यह है कि इस सबसे लंबी बौद्ध पेंटिंग में वर्तमान दलाई लामा का कोई उल्लेख नहीं है।

कानपुर में अखिलेश के करीबी इत्र व्यवसायी एवं सपा नेता के घर आयकर छापा

इत्र कारोबारी के यहां छापे में अरबों रुपये की रकम व धन बरामद हाने की चर्चायें हैं

कन्नौज, 31 दिसंबर (वार्ता)। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी (सपा) के विधान परिषद सदस्य (एम.एल.सी.) पुष्पराज जैन उर्फ 'पम्पी' के कन्नौज स्थित घर पर शुक्रवार को सुबह आयकर विभाग की छापेमारी हुयी।

सूत्रों के अनुसार पम्पी के कन्नौज स्थित घर पर सुबह सात बजे से आयकर विभाग से छापेमारी शुरु हुयी थी। समझा जाता है कि हाल ही में 'समाजवादी परफ्यूम' बनाने वाले इत्र कारोबारी पम्पी जैन ही हैं। समझा जाता है कि आयकर विभाग ने पम्पी के अलावा कन्नौज के अन्य इत्र कारोबारियों के ठिकानों पर भी छापेमारी की है।

इस बीच सपा ने ट्वीट कर पार्टी के विधायक के घर पर छापेमारी को लेकर भाजपा पर तंज भी कसते हुये आयकर विभाग को भाजपा का परम सहयोगी बताया। सपा के आधिकारिक ट्वीटर हैंडिल से किये गये ट्वीट में कहा गया, पिछली बार की अपार विफलता के बाद इस बार भाजपा के परम सहयोगी आयकर विभाग ने सपा एम.एल.सी. पुष्पराज जैन और कन्नौज के अन्य इत्र व्यापारियों के यहां पर आखिर छापे मार ही दिये है। डरी भाजपा द्वारा केंद्रीय एजेंसियों का खुलेआम दुरुपयोग, यू.पी. चुनावों में आम है। जनता सब देख रही है, वोट से देगी जवाब।

- **अखिलेश यादव ने इस आयकर छापे का कड़ा विरोध किया और तंज कसते हुये कहा कि, आयकर विभाग भाजपा की परम मित्र है।**
- **इत्र व्यवसायी पुष्पराज जैन, जिनके घर छापामारी हुई है, वे सपा से विधान परिषद सदस्य भी हैं और उन्होंने कुछ ही दिनों पहले समाजवादी इत्र भी लॉन्च किया था।**
- **गौरतलब है कि, पिछले दिनों पीयूष जैन के यहां छापेमारी हुई थी जिसमें 200 करोड़ रु. बरामद हुये थे। आयकर एजेंसियों को वहीं से पुष्पराज जैन का नाम मिला था।**

इससे पहले आयकर विभाग ने कन्नौज के इत्र कारोबारी पीयूष जैन के ठिकानों पर पिछले कुछ दिनों से चल रही छापेमारी में लगभग 200 करोड़ रुपये की नकदी और 75 किग्रा से अधिक सोना चांदी बरामद किया था। आयकर विभाग का दावा है कि यह किसी व्यक्ति के घर से मिली रकम की अब तक की सबसे बड़ी बरामदगी थी।

पीयूष जैन के कन्नौज और कानपुर स्थित ठिकानों पर छापेमारी के दौरान ही पम्पी जैन का नाम भी सामने आया था। उस समय सपा नेताओं ने पीयूष जैन द्वारा सपा इत्र बनाये जाने संबंधी रिपोर्टों का खंडन किया था। इस बीच सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इत्र कारोबारी पीयूष जैन से सपा का कोई संबन्ध नहीं होने का खुलासा करने के लिये आज कन्नौज में ही संवाददाता सम्मेलन बुलाया था। इससे पहले ही पम्पी जैन के कन्नौज स्थित घर पर आयकर छापेमारी शुरु हो गयी।

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड या आयकर विभाग की ओर से छापेमारी को लेकर फिलहाल कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गयी है। अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में सत्तारूढ भाजपा पर विधानसभा चुनाव से पहले विरोधी दलों के नेताओं के खिलाफ राजनीतिक प्रतिशोध की भावना से जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर छापेमारी कराने का आरोप लगाया है।

अखिलेश ने शुक्रवार को कन्नौज में सपा के विधान परिषद सदस्य पुष्पराज जैन उर्फ 'पम्पी' सहित अन्य इत्र कारोबारियों के ठिकानों पर आयकर विभाग की छापेमारी के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भाजपा ने आयकर (आई.टी.), प्रवर्तन निदेशालय (ई.डी.) और केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सी.बी.आई.) सहित तमाम जांच एजेंसियों के साथ चुनावी गठबंधन कर लिया है। अखिलेश ने छापेमारी को राजनीतिक प्रतिशोध की भावना से की जा रही कार्रवाई बताते हुये कहा, सपा ने तो छोटे दलों के साथ गठबंधन किया है लेकिन भाजपा ने ई.डी., आई.टी. और सी.बी.आई. जैसी जांच एजेंसियों से चुनावी गठबंधन कर लिया है। तभी भाजपा का चुनाव अब जांच एजेंसियां ही लड़ रही हैं।

वैज्ञानिकों व मनोवैज्ञानिकों...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किसी निकटतम मित्र के बिना एकाकीपन के अहसास से ग्रस्त रहता है। नौकरी करने वाले आधे लोग यह सोचते हैं कि उनका कार्य निरर्थक है। (ये दोनों निष्कर्ष अमेरिका में हुये सर्वेक्षणों में सामने आये हैं)। बैल्जियम, जहाँ की आबादी मात्र 1.10 करोड़ है, में प्रतिवर्ष एन्टी डिप्रैसैन्ट्स की 30 करोड़ खुराकें काम में ले ली जाती हैं। इसमें, अन्य सम्बंधित दवाऐं, जैसे नींद की गोलियाँ आदि शामिल नहीं हैं।

उनके 12 निष्कर्ष, जो राजनीति पर भी उतने ही लागू होते हैं, जितने इस महामारी पर, इस प्रकार हैं-

1. एकाकीपन- सोशल मीडिया लोगों को जोड़ तो रहा है लेकिन उनके अयथार्थ एवं यथार्थ व्यक्तित्व के बीच की खाई को बढ़ा रहा है।

2. सार्थकता एवं उद्देश्यपूर्णता का अभाव।

3. भ्रम, संदेह एवं चिन्ता का निर्माण।

4. डर को दबाने के प्रयास में क्रोध एवं द्वेष की अभिव्यक्ति।

5. एक ऐसे सुपरमैन की आकांक्षा, जो उनके अन्दर के डर को निकाल भगाये।

6. एक ऐसे व्यक्ति के लिये उर्वर सोशल ग्राउण्ड, जो उन्हें नेता के रूप में प्रस्तुत कर दे।

7. इस संयोजन (कॉम्बिनेशन) से धार्मिक या राजनैतिक सम्प्रदाय उभरकर आते हैं।

8. पंथ व सम्प्रदाय, सामाजिक जुड़ावों के अभाव को पुन: जीवित करने के लिए, कुछ अर्थ प्रदान करने तथा अपनी पहचान की पुनर्कल्पना में मदद करने के लिए अनुष्ठान आदि शुरु करते हैं।

9. इस अनुष्ठानों एवं वास्तविकता के बीच की खाई जितनी बढ़ी होती जाती है, उतनी ही ज्यादा उन अनुष्ठानों की ताकत की कल्पना करने की क्षमता बढ़ती जाती है तथा अपनी नई पहचान के प्रति निष्ठा गहरी होती जाती है।

10. यह प्रक्रिया किसी भी आदर्श या वैचारिकता के प्रति तटस्थ या शून्य होती है। सामाजिक एवं राजनैतिक ध्रुवीकरण समझाता है कि मनोवैज्ञानिक प्रक्रियाएं एक साथ ही, दोनों तरफ काम करती हैं। जैसा कि हम आज देख रहे हैं।

11. खरी बात कहने तथा वैकल्पिक सम्भावनाओं का सुझाव देने का महत्व। यह किसी खास बात के प्रभुत्व को शायद बदल न सके, लेकिन कुछ समय बाद, विभाजनों को आंशिक रुप से कम करने में सहयोग कर सकती है।

12. मानव सामाजिक प्राणी होते हैं तथा संवादों, मीटिंगों, सामान्य क्रिया-कलापों में लगे रहने तथा साझा अनुभवों की भावना के निर्माण का कोई विकल्प नहीं है, कोई स्थानापन्न नहीं है। इस प्रक्रिया के जरिये, वैकल्पिक स्थिति, साझा उद्देश्य एवं प्रयोजन का निर्माण कीजिये तथा समाज, देश एवं विश्व में अपने स्थान की पुन: कल्पना कीजिये।

पूर्ण...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लोगों का घर से निकलना भी बंद कर दिया। वूहान को सील किये जाने के बाद, शीआन चीन के सबसे बड़े शहरों में एक है जहाँ लॉकडाउन लगाया गया है। बहुत से लोगों के लिए दैनिक जाँच अनिवार्य कर दी गई तथा शहर में संक्रमण नाशक रसायनों का स्प्रै किया गया, जिससे शहर पूरी तरह स्वच्छ हो जाये।

सोशल मीडिया पर, शहर के निवासियों ने खाने का ऑर्डर देने में परेशानी होने की शिकायत करते हुए कहा है- "शीआन में किराना शॉपिंग बहुत मुश्किल है।" वीबो पर इसे 30 करोड़ व्यूज़ मिले हैं। सैन्सर एजेन्सियों ने कुछ पोस्ट डिलीट कर दीं लेकिन अधिकारियों ने इस बात को स्वीकार किया कि नये प्रतिबंधों से लॉजिस्टिक्स तथा स्टाफिंग समस्याएं बढ़ी हैं।

आयकर रिटर्न भरने की तिथी नहीं बढ़ेगी

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर। केंद्र सरकार की ओर से साफ कर दिया गया है कि रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर 2021 ही है, इसे आगे नहीं बढ़ाया जायेगा। सरकार की ओर से रेवेन्यू सेक्रेटरी तरुण बजाज ने यह अहम जानकारी साझा की है। उन्होंने कहा है कि इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि को आगे बढ़ाने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

जैसी कि उम्मीद जताई जा रही थी कि कम रिटर्न दाखिल होने और पोर्टल में आने वाली दिक्कतों के चलते जी.एस.टी. काउंसिल की बैठक में आई.टी.आर. भरने की अंतिम तिथि को आगे बढ़ाने का फैसला लिया जा सकता है। केंद्र सरकार की ओर से साफ कर दिया गया है कि रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर 2021 ही है, इसे आगे नहीं बढ़ाया जा रहा है।

सरकार की ओर से रेवेन्यू सेक्रेटरी तरुण बजाज ने यह अहम जानकारी साझा की है। उन्होंने कहा है कि इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि को आगे बढ़ाने का कोई प्रस्ताव नहीं है। बजाज ने कहा कि आयकर रिटर्न दाखिल करने का काम सुचारू रुप से चल रहा है। शुक्रवार को दोपहर तीन बजे तक कुल 5.62 करोड़ आयकर रिटर्न दाखिल किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि अंतिम तिथि को अब तक 20 लाख से ज्यादा संख्या में रिटर्न फाइल किए गए हैं। इसके अलावा इस साल 60 लाख अतिरिक्त रिटर्न दाखिल हुए हैं।

- **केन्द्र सरकार ने आयकर रिटर्न भरने की तारीख बढ़ने की चर्चाओं को खारिज किया और कहा कि, हम तारीख नहीं बढ़ायेंगे।**

ऊपर बताए गए कारणों के चलते आई.टी.आर. भरने की अंतिम तिथि बढ़ाए जाने की उम्मीद लगाए बैठे लोगों को अब नए साल की पूर्व संध्या पर जश्न मनाने के बजाय सबसे पहले इनकम टैक्स रिटर्न भरने का काम करना चाहिए। क्योंकि अगर आई.टी.आर. नही भरा तो नए साल में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है और इसके एवज में आपको 5000 रुपये तक का जुर्माना भी भरना पड़ सकता है।

किसान यूनियन पंजाब में प्रस्तावित प्रधानमंत्री की रैली नहीं होने देगी

पंजाब की किसान मजदूर संघर्ष समिति ने यह ऐलान किया

चंडीगढ़, 31 दिसम्बर। किसान-मजदूर जत्थेबंदी पांच जनवरी को फिरोजपुर (पंजाब) में प्रस्तावित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैली नहीं होने देगी। यह बात किसान मजदूर संघर्ष कमेटी के प्रदेश प्रधान सतनाम सिंह पन्नू और महासचिव सरवन सिंह पंधेर ने प्रदेश कमेटी के मुख्यालय शहीद अंग्रेज सिंह बाकीपुर यादगारी भवन में शुक्रवार की शाम आयोजित बैठक के बाद मीडिया के नाम प्रेस विज्ञप्ति में कही।

किसान नेताओं ने कहा कि, आज की बैठक में फैसला किया गया है कि पांच जनवरी को फिरोजपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैली का सख्त विरोध करेंगे और किसी भी कीमत पर रैली नहीं होने देंगे। उन्होंने कहा कि चार जनवरी को होने वाली बैठक में मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने किसानों और मजदूरों की स्वीकार की गई मांगों को लागू नहीं किया तो आठ जनवरी को पंजाब भर के सभी विधायकों और मंत्रियों के घरों के बाहर रोष प्रदर्शन करेंगे। किसान नेता पन्नू और पंधेर ने कहा कि, प्रधानमंत्री को पंजाब में रैली करने का कोई अधिकार नहीं।

- **किसान नेताओं ने कहा कि, प्रधानमंत्री की रैली का जमकर विरोध किया जायेगा और किसी भी कीमत पर हम यह रैली आयोजित नहीं होने देंगे।**
- **किसान नेताओं ने यह भी कहा कि, चार जनवरी को जो बैठक होने वाली है उसमें मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने किसानों और मजदूरों की पहले से स्वीकार की गई मांगों को लागू नहीं किया तो आठ जनवरी को पंजाब भर के सभी विधायकों और मंत्रियों के घरों के बाहर रोष प्रदर्शन करेंगे।**

उन्होंने साम्राज्य नीतियों के दबाव में तीन कृषि कानून लागू कर पंजाब के किसानों और मजदूरों को दिल्ली की सड़कों पर एक साल तक रुलाया है। इस दौरान 750 किसान शहीद हो गए और इस पर देश के प्रधानमंत्री या भाजपा ने एक शब्द नहीं कहा।

उन्होंने कहा कि मोदी को किसानों की बाकी मांगों को स्वीकार करने का तुरंत एलान करना चाहिए। उन्हें मोर्चे के शहीदों को संसद में शहीद मान कर एक करोड़ रुपये मुआवजा राशि और सरकार नौकरी देने का एलान करना चाहिए। इसके अतिरिक्त बिजली संशोधन 2020 को तुरंत रद्द करना, लखीमपुर खीरी घटना के दोषियों को गिरफ्तार करना, किसान नेताओं पर दर्ज 302 के पर्चे रद्द कर उन्हें रिहा करने का भी एलान केंद्र सरकार को करना चाहिए।

अपने समर्थकों को...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वहां उनके लिए उमड़ी भीड़ ने यह दिखाया कि मात्र विधायक होने के बावजूद सचिन पायलट के पास समर्थकों का बड़ा हुजूम मौजूद है।

ऐसे में साल 2022 में क्या कांग्रेस आलाकमान सचिन पायलट को कोई बड़ी भूमिका देकर इस राजनीतिक प्रतिद्वंदिता को समाप्त करने की ओर कदम उठाएगा।

दरअसल राजस्थान में इन दोनों नेताओं के बीच जिस तरह की प्रतिद्वंद्विता देखी जा रही है, उसके कारण राजस्थान में राजनीतिक नियुक्तियां हों, या जिला कांग्रेस अध्यक्षों की नियुक्ति या फिर प्रदेश कांग्रेस का विस्तार।सभी में कहीं ना कहीं किसी ना किसी बात पर टकराव के टलते यह काम चलते जा रहे हैं। हालांकि पिछले दिनों 39 में से 13 जिला कांग्रेस अध्यक्षों की नियुक्ति कर दी गई, लेकिन फिर भी अभी 28 जिला अध्यक्षों के साथ ही प्रदेश कांग्रेस का विस्तार और राजनीतिक नियुक्तियों का काम बाकी है। ऐसे में सभी को इस बात का इंतजार है कि क्या साल 2022 में कांग्रेस आलाकमान सचिन पायलट की भूमिका तय करेगा और जो भूमिका तय की जाएगी,उसके बाद राजस्थान में दोनों प्रमुख नेताओं के बीच राजनीतिक प्रतिद्वंदिता समाप्त हो जाएगी।

सचिन पायलट, पिछले डेढ़ साल से बिना पद के मात्र एक विधायक के रूप में काम कर रहे हैं, लेकिन उन्हें राजनीतिक रूप से पुरानी स्थिति नहीं मिलने तक दोनों नेताओं और उनके समर्थकों के बीच में टकराव की स्थितियां बनी हुई है और सोशल मीडिया पर दोनों के समर्थक अपने अपने नेता के पक्ष में और सामने वाले के खिलाफ अभियान चलाते रहते हैं। इसका असर कांग्रेस की पूरी राजनीति पर पड़ता है।

ऐसे में जब साल 2022 आ रहा है तो सभी को इस बात का इंतजार है कि अब सचिन पायलट कब तक इसी संयम के साथ में काम करते रहेंगे या फिर कांग्रेस आलाकमान तय कर चुका है कि उन्हें साल 2022 में किसी महत्वपूर्ण भूमिका का भार देकर पार्टी के लिए काम करने का मौका दिया जाएगा।

नये वर्ष में भारत यू.एन. में आतंकवाद पर गठित समिति की अध्यक्षता करेगा

यू.एन. सिक्यूरिटी काउंसिल में भारत को यह नई जिम्मेदारी सौंपी गई

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर। तमाम अन्तर्राष्ट्रीय दबाव के बावजूद आतंकवाद को बढ़ावा देने में जुटे पाकिस्तान सरकार को बेनकाब करने का भारत को अगले वर्ष बेहतरीन मौका हाथ लगेगा। भारत एक जनवरी, 2022 से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यू.एन.एस.सी.) में आतंकवाद के खिलाफ गठित समिति की अध्यक्षता करेगा।

भारत की तरफ से यह साफ कर दिया गया है कि वह परिषद के सदस्य देशों के बीच आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई को सहयोग का केंद्र बनाने के लिए काम करेगा। इस बारे में फ्रांस, ब्रिटेन, रूस जैसे सहयोगी देशों के साथ और बेहतर संपर्क कायम कर काम किया जाएगा। भारत की कोशिश होगी कि जो आतंकी पाकिस्तान में शरण लिए हुए हैं, उनके खिलाफ ठोस कार्रवाई की जाए।

- **समिति का अध्यक्ष रहते भारत यह प्रयास करेगा कि आतंकवाद पर पाकिस्तान के चेहरे को दुनिया के सामने बेनकाब किया जाए। साथ ही भारत यह चाहेगा कि आतंकवाद के खिलाफ कोई वैश्विक ठोस नीति बने।**

भारत के भावी रुख को संयुक्त राष्ट्र में राजदूत टी.एस. त्रिमूर्ति ने स्पष्ट किया है। एक दिन पहले यू.एन.एस.सी. में आतंकवाद रोधी समिति (सीटीसी) के तहत अधिशासी निदेशालय को वर्ष 2025 तक बनाए रखने के लिए वोटग प्रक्रिया समाप्त हुई है। भारत ने इसके समर्थन में वोट दिया और सभी देशों से आग्रह किया कि वे किसी खास उद्देश्य से होने वाली घटनाओं को आतंकी घटना करार देते हुए उनके खिलाफ एकजुट हों।

इसके साथ ही भारत ने प्रतिबद्धता दोहराई है कि वह आतंकवाद के खिलाफ जीरो टालरेंस की नीति पर चलेगा और दूसरे देशों को साथ लेकर चलेगा। भारत ने यह भी कहा है कि वह सी.टी.सी. के तहत उठाए जाने वाले कदमों को ज्यादा प्रभावशाली बनाने के लिए काम करेगा। इसके लिए सबसे ज्यादा जरूरी है कि सी.टी.सी. के फैसले को लागू करने वाले निदेशालय (सी.टी.ई.डी.) को मजबूत बनाया जाए और उसे ज्यादा अधिकार दिया जाए।

कश्मीर में शुक्रवार को हुई मुठभेड़ में तीन और आतंकी मारे गये

श्रीनगर, 31 दिसंबर (वार्ता)। जम्मू-कश्मीर में श्रीनगर के बाहरी इलाके पंथा चौक में हुई मुठभेड़ में स्थानीय आतंकवादी समेत तीन आतंकवादी मारे गए हैं और चार सुरक्षाकर्मी घायल हुए हैं। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि इन आतंकवादियों के साथ जेवान में पुलिस बस पर हुए हमले में कथित रूप से शामिल स्थानीय आतंकवादी भी शामिल था। अधिकारियों ने आज बताया कि दक्षिण कश्मीर में दो अलग-अलग स्थानों पर हुये मुठभेड़ में जैश-ए-मोहम्मद के छह आतंकवादियों के मारे जाने और एक सैनिक के शहीद होने के कुछ ही घंटे बाद पंथा चौक पर रात में गोलीबारी शुरू हो गई थी।

पुलिस ने कहा पंथा चौक पर गोलीबारी तब शुरू हुई, जब यहां आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया सूचना के आधार पर सुरक्षा बलों की एक संयुक्त टीम ने इलाके की घेराबंदी और तलाश अभियान शुरू किया।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया, इलाके की घेराबंदी किए जाने के दौरान जब सुरक्षा बल छिपे हुए आतंकवादियों की ओर बढ़ रहे थे तभी आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों पर अंधाधुंध गोलियां चलानी शुरू कर दी। सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई शुरू की और मुठभेड़ शुरू हो गयी।

'2021 भारत में हिंसा की दृष्टि से ईसाइयों के लिए सबसे खराब साल रहा'

यूनाइटेड क्रिश्चियन फ्रंट (यू.सी.एफ.) के अनुसार 2021 में ईसाइयों के खिलाफ हिंसा के 486 मामले सामने आये हैं

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर। यूनाइटेड क्रिश्चियन फ्रंट (यू.सी.एफ.) ने शुक्रवार को कहा कि 2021 भारत में ईसाइयों के लिए "सबसे हिंसक" वर्ष रहा है क्योंकि देश में इस समुदाय के खिलाफ हिंसा की 486 घटनाएं दर्ज की गईं। यूनाइटेड क्रिश्चियन फ्रंट ने एक बयान में कहा कि "सब का साथ, सब का विकास" का राष्ट्रीय नारा भारत की ईसाई अल्पसंख्यक आबादी के लिए एक खोखली, बयानबाजी साबित हुआ है। यूनाइटेड क्रिश्चियन फ्रंट ने कहा कि शांतिप्रिय समुदाय के खिलाफ हिंसा में साल-दर-साल वृद्धि पिछली तिमाही में खतरनाक रूप से बढ़ी है।

- **यू.सी.एफ. ने यह भी कहा कि, हिंसा की दृष्टि से देखा जाये तो उत्तर भारत में ईसाइयों की स्थिति सबसे दयनीय है।**
- **नवम्बर और दिसम्बर के महीने में हिंसा की 104 से ज्यादा घटनायें सामने आईं, मानों कि ईसाइयों से क्रिसमस ना मनाने के लिए कहा जा रहा हो।**

यू.सी.एफ. हेल्पलाइन पर दर्ज रिपोर्टों का हवाला देते हुए, फ्रंट ने अपने बयान में ईसाइयों के खिलाफ हिंसा की एक महीने की घटनाओं की संख्या बताई। बयान में कहा गया है कि नवंबर और दिसंबर में 104 घटनाएं हुईं जैसे कि "ईसाइयों को क्रिसमस मनाने से मना करने के लिए आगाह किया जा रहा हो।" इसमें कहा गया है कि कुछ समूहों द्वारा कुछ कार्यक्रमों और भाषणों के जरिए फैलाया गया नफरत का माहौल और धर्म की स्वतंत्रता के नाम पर कानून बनाने सहित धोखाधड़ी और प्रलोभन के झूठे प्रचार के माध्यम से असामाजिक तत्वों को ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। यू.सी.एफ. हेल्पलाइन पर दर्ज रिपोर्ट का हवाला देते हुए फ्रंट ने कहा कि 2014 में नरेंद्र मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद से ईसाइयों के खिलाफ हिंसा की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं।

कोटपूतली...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नोटिस दिये ही महज एक तरफ की ही संरचनाओं को ध्वस्थ करने कि कार्यवाही की जा रही है। महिलाओं का तो यह भी आरोप है कि पालिका प्रशासन द्वारा उन्हें रात भर मकानों के बाहर सॉयरन बजा कर डराया जा रहा है। धरना प्रदर्शन के बाद महिलाओं ने शहर के मुख्य मार्गों से रैली निकालते हुए "निकलो बाहर मकानों से जंग लड़ो बेईमानों से" के नारे लगाती हुई वापस धरना स्थल पहुंची है।

इस दौरान पूर्व संसदीय सचिव रामस्वरूप कसाना, भाजपा नेता मुकेश गोयल, पूर्व पालिका अध्यक्ष प्रकाश चन्द सैनी, जदयु के प्रदेश अध्यक्ष रामनिवास यादव, सुभाष प्रधान, कैलाश चन्द सैनी, जयराम गुरूजी व शशी मित्तल, नवल खण्डेलवाल, एडवोकेट अशोक सैनी, कमला देवी, अनारी देवी, सावत्री देवी, शकुन्तला देवी, कुन्ता सैनी, नर्बदा देवी, गेंदी देवी व बीना सैनी सहित बड़ी संख्या में महिलायें व व्यापारी मौजूद थे।

'मोदी असहाय...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राज्य "अरूणाचल प्रदेश" तक का नाम बदल दिया हैं।

कांग्रेस प्रवक्ता सौरभ वल्लभ ने यहाँ एक प्रैस कॉन्फ्रेंस में यह जानना चाहा कि, प्रधानमंत्री चीन का उल्लेख करने में संकोच क्यों कर रहे हैं, जबकि वह लगातार आक्रामकता से काम ले रहा है तथा पिछले 19 महीनों में अरूणाचल में 90,000 वर्ग किमी. क्षेत्र अधिगृहीत कर चुका है तथा अरूणाचल के विभिन्न स्थानों के अजीबो गरीब पर्याय काम में ले रहा है।

वल्लभ ने कहा कि, चीन ने अभी हाल ही में, नौ आवासीय गाँवों, चार पहाड़ों तथा दो नदियों, के नाम बदल दिये हैं। उन्होंने इस बात पर भी चिन्ता जताई कि, चीन भारत एवं भूटान की सीमाओं को बदलने के लिये अपना नया "लैंड बॉर्डर" कानून 1 जनवरी से लागू कर रहा है।

सौरभ ने 2020-21 में चीन के साथ अब तक के सबसे बड़े व्यापार, जो 7.42 करोड़ रूपये (100 अरब डॉलर) का है, पर भी सवाल खड़े किये तथा कहा कि कुछ गिनी-चुनी चीजों पर चीन विरोधी रोक लगाने का दिखावा नहीं करें। उन्होंने दु:ख व्यक्त करते हुये कहा कि, भारतीय सैनिक चीनी सेनाओं से लड़ते हुये अपनी जान कुर्बान कर रहे हैं, लेकिन फिर भी प्रधानमंत्री चीन को क्लीन चिट देते जा रहे हैं।

जी.एस.टी. काउन्सिल द्वारा टैक्सटाइल क्षेत्र में जी.एस.टी. दर में 5 से 12 प्रतिशत की वृद्धि को टाल दिये जाने के प्रश्न पर उन्होंने कहा कि, इस वृद्धि को टाला जाना केवल छ: राज्यों के विधानसभा चुनावों तक के लिये है, जिनमें से सबसे अन्त में गुजरात में चुनाव होंगे, चुनाव हो जाने के बाद जी.एस.टी. की दरों में वृद्धि की जायेगी। उन्हें कहा कि, सरकार का प्रत्येक निर्णय अल्पकालीन राजनैतिक फायदे की खातिर लिया गया दिखाई देता है।

उन्होंने सरकार पर प्रहार करते हुये कहा कि, सरकार ने जूतों तथा ड्रैस जैसी चीजों के दाम ढाई गुना बढ़ा दिये हैं, जबकि ये चीजें मध्यम वर्ग तथा गरीब लोगों द्वारा काम में ली जाती हैं। उन्होंने कहा कि सच्चाई यह है कि, साइकिल से लेकर ट्रक और कारों की कीमतें बढ़ेंगी क्योंकि उनकी जी.एस.टी. दरें बढ़ाई जा रही हैं, आस्थगित नहीं की जा रहीं।

'वोटर कार्ड...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दिया गया। बयान में जोर देकर कहा गया कि, इस कदम से मतदाता सूचियों के शुद्धिकरण में मदद नहीं मिलेगी क्योंकि आधार कार्ड नागरिकता के सबूत के बिना ही जारी किए जाते हैं और इससे गैर नागरिकों की "मतदाता" के रूप में पंजीकृत होने की संभावनाएं बढ़ जाएंगी, यदि यू.आई.डी.ए.आई. संचालित आधार सिस्टम का एकमात्र "प्रूफ" की तरह उपयोग किया गया।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908